

(प्रपत्र-30)

कार्य का नाम:- जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड मोटर मार्ग निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

(लम्बाई-7.500किमी०)

जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र

जनपद देहरादून के अन्तर्गत प्रस्तावित कथियान से डिरनाड मोटर मार्ग निर्माण हेतु कुल 2.2320 है० आरक्षित वन भूमि एवं सिविल भूमि प्रस्तावित है। जिसमें आरक्षित वन भूमि 1.6450 है० एवं सिविल भूमि 1.4385 है० प्रयोक्ता एजेन्सी को प्रत्यावर्तित किये जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के पत्र संख्या 11-9/98-एफ०सी० दिनांक 05/02/2006 के द्वारा सड़क निर्माण, नहर निर्माण, पारेषण लाईन, आ०एफ०सी० केबिल, पाईप लाईन बिछाने आदि प्रयोजनों को भारत सरकार द्वारा वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्राविधानों से मुक्त कर दिया गया है। भारत सरकार के उक्त उक्त आदेश के क्रम में प्रमाणित किया जाता है कि आवेदित भूमि परियोजना विशेष के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि व कृषि भूमि पर आदिकालीन जनजाति समूह (Primitive Tribal Groups) व पूर्व कृषि समुदाय (Primitive Agricultural Groups) प्रभावित नहीं हो रही है।

अधिशाली अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०
नि०ख० लो०नि०वि०,
कालसी

उपजिलाधिकारी

जिलाधिकारी
देहरादून
जिलाधिकारी
देहरादून

6/11/2006
देहरादून

प्रपत्र-23

परियोजना का नाम:- जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड़ मोटर मार्ग के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।
(लम्बाई-7.500 कि०मी०)

वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र।

ग्राम पंचायत का नाम- डिरनाड़

तहसील- त्यूनी, जिला देहरादून

उत्तराखण्ड के जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड़ मोटर मार्ग के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। मोटर मार्ग के नवनिर्माण परियोजना के निर्माण हेतु (आरक्षित वनभूमि 1.6450 है०, सिविल सोयम भूमि 1.4385 है०, वन पंचायत भूमि शून्य है०) अर्थात् कुल 3.0835 है०, वन भूमि का हस्तान्तरण ग्राम्य विकास विभाग/संस्था के पक्ष में भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा प्रत्यावर्तित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

उक्त प्रकरण के विषय में ग्राम पंचायत डिरनाड़ द्वारा दिनांक 02/11/2017 को सम्पन्न ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की बैठक में प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा आवेदित वन भूमि के सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। यह कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्राविधानों के तहत आवेदित वन भूमि में आदिवासी अथवा किसी गैर आदिवासी का कब्जा/कृषि कार्य है अथवा नहीं। उपस्थित सभी ग्रामवासियों द्वारा स्पष्ट किया गया कि उक्त वन भूमि में किसी आदिवासी अथवा गैर आदिवासी का कब्जा/कृषि कार्य नहीं किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि पर ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नहीं हो रहा है।

चर्चा के उपरान्त ग्राम सभा द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया/प्रस्ताव पारित किया गया कि ग्राम डिरनाड़ के ग्रामवासियों को उक्त वन भूमि लो०नि०वि० नि०ख० पी०एम०जी०एस०वाई० कालसी प्रयोक्ता एजेन्सी को परियोजना के निर्माण हेतु दिये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

प्रमाणित किया जो सत्य एवं सही है।

ग्राम सचिव

ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पं० डिरनाड़
वि०ख० देहरादून (देहरादून)

ग्राम प्रधान

मंगतराम
ग्राम पंचायत डिरनाड़
वि०ख० देहरादून (दे०दून)

प्रपत्र-23.1

दिनांक - 02/11/2017 को ग्राम सभा की सम्पन्न बैठक की उपस्थिति

ग्राम पंचायत का नाम- डिरनाड़

क्रमांक	ग्राम सभा में उपस्थित वरिष्ठ ग्रामवासियों के नाम	हस्ताक्षर
1	जैन्दर सिंह	जैन्दर सिंह
2	बलूराम	बलूराम
3	हरपाल सिंह	हरपाल
4	रणावीर सिंह	रणावीर सिंह
5	ओगर सिंह	ओगर सिंह
6	दीवान सिंह	दीवान सिंह
7	जीत सिंह	जीत सिंह
8	सोवन सिंह	सोवन सिंह
9	बचन सिंह -	बचन सिंह
10	रवीन्द सिंह -	रवीन्द सिंह
11	तोला सिंह	तोला सिंह
12	अतार सिंह	अतार सिंह
13	विनोद सिंह	विनोद
14	शुरूवीर सिंह	
15	रमेश सिंह	रमेश
16	परसराम	परसराम
17	प्रीतम	प्रीतम
18	पद्मपाल सिंह	पद्मपाल सिंह
19		
20		

प्रधान
ग्राम पंचायत डिरनाड़
वि० सं० चकराता (दि० दून)

प्रपत्र-23.2

परियोजना का नाम:- जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड़ मोटर मार्ग के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।
(लम्बाई-7.500 कि०मी०)

कार्यालय उप जिलाधिकारी, -त्यूनी

अनुसूचित जनजाति और परम्परागत वनवासी अधिनियम-2006 के तहत प्रमाण पत्र।

उपखण्ड स्तरीय समिति, त्यूनी

उपखण्ड त्यूनी परिक्षेत्र के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड़ मोटर मार्ग हेतु (आरक्षित वनभूमि 1.6450 है०, सिविल सोयम भूमि 1.4385 है०, वन पंचायत भूमि शून्य है० अर्थात् कुल 3.0835 है० वन भूमि) का ग्राम्य विकास विभाग प्रयोक्ता एजेन्सी के पक्ष में हस्तान्तरित किये जाने हेतु अनुसूचित जाति और अन्य परम्परागत वनवासी (वन अधिकारों का मान्यता) अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत उपखण्ड स्तरीय समिति (तहसील-त्यूनी) की दिनांक 06/05/2018 को सम्पन्न बैठक की कार्यवाही का विवरण:-

अनुसूचित जनजाति और अन्य पराम्परागत वन निवासी (व अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 एवं नियम 2008 के अन्तर्गत उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक श्री विजेश कुमार तिवारी उपजिलाधिकारी एवं अध्यक्ष उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में माननीय सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार है।

- 1 श्री विजेश कुमार तिवारी उपजिलाधिकारी..... अध्यक्ष
- 2 श्री दुबोई कुमर कल्याण उप प्रभागीय वनाधिकारी..... सदस्य
- 3 श्री मिहुलास सहायक समाज कल्याण अधिकारी..... सदस्य/सचिव
- 4 श्री दीपभाला बी०डी०सी० क्षेत्र सदस्य

उपखण्ड सचिव द्वारा माननीय सदस्यों की बैठक में स्वागत करते हुए उप जिलाधिकारी की अनुमति से बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। माननीय सदस्यों को अवगत कराया गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड़ मोटर मार्ग के नवनिर्माण कार्य परियोजना हेतु 3.0835 है० वन भूमि (1.6450 आरक्षित वन भूमि एवं 1.4385 है० सिविल सोयम भूमि) ग्राम्य विकास विभाग, प्रयोक्ता एजेन्सी के पक्ष में हस्तान्तरित किये जाने हेतु प्रस्ताव माननीय सदस्यों के समक्ष रखा गया। ग्राम सभा के अन्तर्गत वनाधिकार का कोई मामला लम्बित नहीं है। उक्त भूमि का संबंधित ग्राम सभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव के आधार पर सार्वजनिक उपयोग हेतु प्रत्यावर्तन की अनुशंसा की गई है।

संबंधित उप प्रभागीय वनाधिकारी चकराता वन प्रभाग द्वारा अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 एवं तत्सम्बन्धी नियम 2008 के प्राविधान को स्पष्ट करते हुए जानकारी से माननीय सदस्यों को अवगत कराया कि वन अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत किसी भी दावेदार का दावा/आवेदन पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया। इस सम्बन्ध में ग्राम सभा/पंचायत द्वारा अनापत्ति जारी की जा चुकी है अतः प्रकरण में उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति द्वारा अनापत्ति जारी की जा सकती है।

बैठक में सर्वसम्मति से उपखण्ड त्यूनी परिक्षेत्र के अन्तर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड़ मोटर मार्ग के नवनिर्माण कार्य परियोजना के निर्माण हेतु 3.0835 है० वन भूमि (1.6450 है० आरक्षित वन भूमि एवं 1.4385 है० सिविल सोयम भूमि) ग्राम्य विकास विभाग, प्रयोक्ता एजेन्सी को जनहित में सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर प्रत्यावर्तित किये जाने पर सहमति व्यक्त की गयी है।

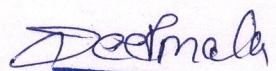


उप जिलाधिकारी/अध्यक्ष
उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति
तहसील- त्यूनी,
जनपद-देहरादून

प्रतिलिपि:- जिलाधिकारी, देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।



उप जिलाधिकारी/अध्यक्ष
उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति
तहसील- त्यूनी,
जनपद-देहरादून


सदस्य
क्षेत्र पंचायत फुनार
वि०ख० चकराता, (देहरादून)


तहसीलदार
त्यूनी

कार्यालय जिलाधिकारी, देहरादून
जनपद देहरादून

पत्रांक:- २०३/CPD-DM-2018

दिनांक:- २३-६-१८

वनाधिकार अधिनियम 2006 के अन्तर्गत जनजातिय व्यक्ति एवं पारम्परिक वन निवासी हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक का कार्यवृत्त।

दिनांक 23/06/2018 को जिलाधिकारी, देहरादून की अध्यक्षता में वनाधिकार अधिनियम 2006 के अन्तर्गत जिला स्तरीय समिति में जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड़ मोटर मार्ग के नव निर्माण का प्रस्ताव समिति के समक्ष रखा गया। जिस हेतु 3.0835 हैक्टेयर भूमि वन विभाग से ग्राम्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड को प्रत्यावर्तित किये जाने हेतु गैर वानिक कार्य हेतु सम्बन्धित ग्रामसभा/ग्राम पंचायत एवं उपखण्ड समिति-त्यूनी द्वारा बैठक में उपस्थित सदस्यों से सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव के आधार पर प्रश्नगत प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन की अनुशंसा की गई है। जिसमें समिति के समस्त सदस्यो द्वारा उक्त भूमि की अनापत्ति एवं संस्तुति पर विचार विमर्श किया गया तथा उपजिलाधिकारी- त्यूनी की संस्तुति के आधार पर निर्णय लिया गया कि उक्त 3.0835 हैक्टेयर भूमि जो कि वन विभाग के देवधार रेंज के अन्तर्गत आती है पर अनापत्ति देने हेतु संस्तुति की जाती है।

उपजिलाधिकारी- त्यूनी की बैठक का कार्यवृत्त संलग्न हैं।

(अनुराग शर्मा)
जिला समाज कल्याण अधिकारी
जिला समाज कल्याण अधिकारी
देहरादून

(दीप चन्द्र आर्य)
प्रभागीय वनाधिकारी
प्रभागीय वन प्रभाग
देहरादून

(एस० ए० मुरुगेशन)
जिलाधिकारी, देहरादून
जिलाधिकारी
देहरादून

पृ०स० / डी०एल०आर०सी० / दिनांक
प्रतिलिपि:-

- 1 अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, पी०एम०जी०एस०वाई०, कालसी

(एस० ए० मुरुगेशन)
जिलाधिकारी, देहरादून
जिलाधिकारी
देहरादून

OFFICE OF THE DISTRICT MAGISTRATE
DISTRICT – DEHRADUN (UTTARAKHAND)

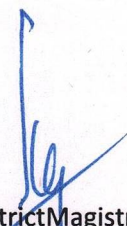
Proceeding of the meeting of the District level Committee constituted under Schedule Tribes & Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Rights) ACT (FRA), 2006.

A meeting of the District level Committee of Dehradun District – Dehradun constituted under FRA, 2006 was held under the chairmanship of Mr. S. A. Murugesan , I.A.S. District Magistrate on Dated 22/06/18 at 11 AM at Dehradun in which the application claiming rights in Mail area measuring **3.0835 Hect** for the Construction of **Kathiyan to Dirnad** Motor Road under PMGSY of forest land under FRA, 2006 of the following applicant duly processed and recommended by the sub Division level Committee of **Tyuni** were discussed to consider the same for admission by the District Level Committee.

After Scrutiny of the documents and detailed discussion, no objection/ claims were found to have been made & hence District level Committee recommend the above case for diversion of land for the said purpose.

Place:

Dated:


District Magistrate
District level Committee
जिलाधिकारी
देहरादून

FORM-I
Government of Uttarakhand
Office of the District Collector

No.....

Dated..23/06/2018

TO WHOSOEVER IT MAY CONCERN

In compliance of the ministry of Environment and Forest (MoEF), government of India's letter No. 11-9/98-FC(pl) dated 3rd August 2009 wherein the MoEF issued guidelines on submission of evidences for having initiated and completed the process of settlement of right under the scheduled tribes and Other traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Right) act,2006('FRA' for short) on the forest land proposed to be diverted for non-forest purposes read with MoEF's letter dated 5th February 2013 wherein MoEF issued certain relaxation in respect of linear projects it certified that 3.0835 hectares of forest land proposed to be diverted in favor of P.W.D Uttarakhand for New Road Construction in Dehradun district falls within jurisdiction of Dirnad Village in Tyuni Tehsils.

It is further certificated that:

- (a) The complete process for identification and settlement of right under the FRA has been carried out for the entire 3.0835 hectares of forest area proposed for diversion. A copy of records of all consultations and meeting of the Forest Rights Committee(s). Gram Sabha(s), Sub Division Level Committee (s) and the District Level Committee are enclosed as annexure
- (b) The Division of forest land for facilities managed by the Government as required under section 3(2) of the FRA have been completed and the Gram Sabha have given their consent to it.
- (c) The proposal does not involve recognized rights of primitive Tribal Groups and Pre-agricultural communities.

Signature
 (Full name and official seal of the District Collector)

जिलाधिकारी
 देहरादून

प्रपत्र-23.3

परियोजना का नाम:- जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड़ मोटर मार्ग के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।
(लम्बाई-7.500 कि०मी०)

जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र

जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड़ मोटर मार्ग के नवनिर्माण हेतु 3.0835 है० वनभूमि ग्राम्य विकास विभाग, प्रयोक्ता एजेन्सी के पक्ष में प्रत्यावर्तित किये जाने हेतु उपजिलाधिकारी/अध्यक्ष, उपखण्ड स्तरीय वनाधिकारी समिति, तथा सम्बन्धित ग्राम सभाओं द्वारा प्रदत्त अनापित्त प्रमाण पत्र निर्गत किये गये हैं। वन अधिनियम-2006 के तहत संलग्नक प्रमाण पत्रों के अनुसार प्रयोजना के निर्माण किसी अनुसूचित, जनजाति/वनवासी की भूमि अधिग्रहित नहीं हो रही है व न ही किसी जनजाति/वनवासी के वनों पर अधिकार प्रभावित हो रहें हैं। परियोजना के निर्माण से प्रभावित होने वाले वन भूमि में कोई भी दावा लम्बित नहीं है।

ह०.....

जिलाधिकारी, देहरादून

जिलाधिकारी
देहरादून